Time : 2½ Hours **HINDI (S.L.)**

Subject Code

S	1	2	1

Total No. of Questions : 8 **(Printed Pages : 8)** **Maximum Marks : 80**

सूचनाएँ :

(*i*) हर संपूर्ण प्रश्न का उत्तर नये पन्ने से ही शुरू कीजिए।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक और उप-प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

(*iii*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*iv*) दायीं ओर दर्शाए हुए अंक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक हैं।

1. (अ) निम्नलिखित गद्यखंड के आधार पर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

3 जुलाई की रात के समय कर्नल राजीव कुमार ने जवानों को बताया कि टाइगर हिल को बड़े तरीके से घेरना होगा। उन्होंने कुछ जवानों की टीम को 'घातक प्लाटून' नाम दिया तथा दो ग्रुप बनाकर 'अल्फा कम्पनी' तथा 'डेल्टा कंपनी' नाम दिया। ग्रिनेडियर योगेन्द्र यादव तथा अन्य जवानों को ऊपर पहाड़ी पर बने दुश्मनों के बंकरों तक पहुँचने के लिए रस्सियों के सहारे खड़ी चढ़ाई करने का आदेश दिया। अल्फा कंपनी दाईं ओर से रवाना की गई।

प्रश्न :

(*i*) उपर्युक्त गद्यखंड जिस पाठ से लिया गया है उस पाठ के लेखक का नाम क्या है? 1

(*ii*) कर्नल राजीव कुमार ने जवानों की टीम को कौन-कौनसे नाम दिए? 1

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **15–20** शब्दों में लिखिए। 6

(*i*) ज्वार-भाटे के समय कौनसा खतरा रहता है?

(*ii*) बीजक के अनुसार धन किस जगह पर स्थित था?

(*iii*) प्रि. भावे ने छात्र माशेलकर से क्या कहा?

(*iv*) भारतीय जवानों ने 'टाइगर हिल' के पहले बंकर पर तिरंगा कब फहराया?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **40–50** शब्दों में लिखिए : 12

(क) बसंत पं. राजकिशोर से छलनी खरीदने की जिद क्यों कर रहा था?

(ख) अहमदू बारह आने किस प्रकार जमा कर पाया?

(ग) धर्मराज के अनुसार नर्क में निवास-स्थान की समस्या कैसे हल की गई थी?

(घ) कौनसे हादसे में अरुणिमा सिन्हा को अपनी एक टाँग गँवानी पड़ी?

3. (अ) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जब देश में थी दीवाली! वो खेल रहे थे होली!
जब हम बैठे थे घरों में! वो झेल रहे थे गोली।
संगीन पे धर कर माथा! सो गये अमर बलिदानी!
जो शहीद हुए हैं उनकी ! जरा याद करो कुरबानी।।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत काव्य-पंक्तियाँ जिस कविता से ली गई हैं उस कविता का नाम क्या है? 1

(*ii*) जब देश में दीवाली मनाई जा रही थी, तब सीमा पर सैनिक क्या कर रहे थे? 1

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **15-20** शब्दों में लिखिए : 4

(*i*) कबीर के अनुसार साधु का स्वभाव कैसा होना चाहिए?

(*ii*) कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुरजी धीरज और साहस न छोड़ने को क्यों कहते हैं?

(*iii*) दुख-सुख के संबंध में कीर्ति चौधरी क्या कहती हैं?

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **25-30** शब्दों में लिखिए : 6

(क) कवि तुलसीदासजी के अनुसार माँ-कौशल्या किस प्रकार सगुन मनाती हैं?

(ख) कवि नागार्जुन का मन कब तृप्त हुआ?

(ग) रनिया कविता में अमीर देश बंधु के जीवन का वर्णन किन शब्दों में किया है?

4. (अ) निम्नलिखित क्रियाओं में से किन्हीं **दो** क्रियाओं का सार्थक वाक्यों में सहायक क्रिया के रूप में प्रयोग कीजिए : 2

(*i*) आना

(*ii*) डालना

(*iii*) करना।

(आ) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए : 2

(*i*) प्रताप किशनगंज में आया था।

(प्रश्नवाचक वाक्य में)

(*ii*) मजदूर यह काम करता है।

(इच्छावाचक वाक्य में)

(इ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

(*i*) संगीत

(*ii*) शौर्य

(*iii*) माता।

(ई) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों का विशेषण रूप लिखिए : 2

(*i*) विज्ञान

(*ii*) शिक्षा

(*iii*) याद।

(उ) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द का प्रसंगानुसार भिन्न-भिन्न अर्थ स्पष्ट करने के लिए उसका अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 2

(*i*) धन

(*ii*) वर।

5. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए : 2

(*i*) बच्चा

(*ii*) गहरा

(*iii*) धडकना।

(आ) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **दो** मुहावरों का अर्थ लिखकर उन मुहावरों का सार्थक तथा स्वतंत्र वाक्य में प्रयोग कीजिए : 4

(*i*) अवाक् रह जाना

(*ii*) चकमा देना

(*iii*) पीठ थपथपाना।

(इ) निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **100-150** शब्दों में निबंध लिखिए : 6

(*i*) बस स्थानक पर एक घंटा

(*ii*) समय का सदुपयोग

(*iii*) बढ़ती जनसंख्या-एक समस्या

(*iv*) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

6. (अ) निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार किसी **एक** पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : 5

जयेश/जया देसाई, 'शान्ति-निवास' गांवकर वाडा, डिचोली, गोवा से अपनी छोटी बहन आरती को छात्र जीवन में अनुशासन का महत्व समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

मिंगेल/मारिया फर्नांडिस, झरीवाडो, धारबांदोड़ा, सांगे-गोवा से अपने गाँव में बच्चों के लिए पुस्तकालय खोलने का निवेदन करते हुए ग्राम पंचायत के नाम पत्र लिखता/लिखती है।

(आ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर उस कहानी का उचित शीर्षक तथा सीख भी लिखिए : 5

राकेश कक्षा दसवी में पढ़ने वाला विद्यार्थी—सड़क पर लोगों की भीड़ देखना—भीड़ के पास जाना—सहपाठी सोहन को ट्रक से घायल पड़े देखना—सोहन का बेहोशी में पड़ना.—राकेश द्वारा सोहन को पीठ पर उठाकर दवाखाने में ले जाना—उसके लिए इन्जेक्शन ला देना— सोहन का स्वस्थ होना—मुख्याध्यापक द्वारा छात्रों के सम्मुख राकेश का सम्मान करना—सीख।

7. निम्नलिखित गद्यखण्ड को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

सभी धर्म हमें एक ही ईश्वर तक पहुँचने के साधन हैं। अलग-अलग रास्तों पर चलकर भी हम एक ही स्थान पर पहुँचते हैं। इसमें किसी को दुखी नहीं होना चाहिए। हमें सभी धर्मों के प्रति समान भाव रखना चाहिए। दूसरे धर्मों के प्रति समभाव रखने में धर्म का क्षेत्र व्यापक बनता है, हमारी धर्म के प्रति अंधता मिटती है। इससे हमारा प्रेम अधिक ज्ञानमय एवं पवित्र बनता है। यह बात लगभग असंभव है कि इस पृथ्वी पर कभी भी एक धर्म रहा होगा या हो सकेगा। हमें ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो विविध धर्मों में ऐसे तत्व को खोजे जो विविध धर्मों के अनुयायियों के मध्य सहनशीलता की भावना को विकसित कर सके।

हमें संसार के धर्मग्रंथों को पढ़ना और समझना चाहिए। हमें दूसरे धर्मों का वैसा ही आदर करना चाहिए जैसा हम दूसरों से अपने धर्म का करना चाहते हैं। सत्य के अनेक रूप होते हैं। यह सिद्धांत हमें दूसरे धर्मों को भली प्रकार समझने में मदद करता है। जब तक अलग-अलग धर्म मौजूद हैं, तब तक उनकी पृथक पहचान के लिए बाहरी चिन्ह की आवश्यकता होती है लेकिन ये चिन्ह जब आडंबर बन जाते हैं और अपने धर्म को दूसरे से अलग बताने का काम करने लगते हैं तब त्यागने के योग्य हो जाते हैं। धर्मों का उद्देश्य तो यह होना चाहिए कि वह अपने अनुयायियों को अच्छा इंसान बनाए। ईश्वर से यह प्रार्थना करनी चाहिए-तू सभी को वह प्रकाश प्रदान कर, जिनकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

ईश्वर एक ऐसी रहस्यमयी शक्ति है जो सर्वत्र व्याप्त है। उस शक्ति का अनुभव तो किया जा सकता है, पर देखा नहीं जा सकता। वह शक्ति नया निर्माण एवं संहार करती रहती है। यह क्रम निरंतर चलता रहता है। यह जीवन देने वाली शक्ति ही परमात्मा है। उसी का अस्तित्व अंतिम है। हमें यह तथ्य समझना चाहिए कि इंद्रियों द्वारा दिखाई देने वाली चीज स्थायी नहीं हो सकती। ईश्वर की शक्ति कल्याण करने वाली है। मृत्यु के बीच जीवन कायम रहता है, असत्य के बीच सत्य टिका रहता है और अधंकार के मध्य प्रकाश स्थिर रहता है। इससे पता चलता है कि ईश्वर जीवन है सत्य है, और प्रकाश है। वह परम कल्याणकारी है।

प्रश्न :

(*i*) धर्म का क्षेत्र व्यापक कब बनता है? 1

(*ii*) हमें कैसे धर्म की आवश्यकता है? 1

(*iii*) कौनसी बात असंभव है? 1

(*iv*) हमें दूसरे धर्मों का आदर कैसे करना चाहिए? 1

(*v*) बाहरी चिन्ह की आवश्यकता कब होती है? 1

(*vi*) धर्मों का उद्देश्य क्या होना चाहिए? 1

(*vii*) बाहरी चिन्ह कब त्यागने योग्य होते हैं? 1

(*viii*) ईश्वर से क्या प्रार्थना करनी चाहिए? 1

(*ix*) यह कब पता चलता है कि ईश्वर जीवन, सत्य और प्रकाश है? 1

(*x*) उपर्युक्त गद्यखण्ड के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 1

8. निम्नलिखित गद्यखण्ड को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कुमार रणजीत सिंह को भारतीय 'क्रिकेट का जादूगर' कहा जाता है और उन्हें भारत का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माना जाता है। उनका जन्म 10 सितम्बर 1875 ई. को जाम नगर के पास गाँव में हुआ था। रणजी इस छोटे से नाम से क्रिकेट की दुनिया में वे बड़े मशहूर बने। अपनी निराली बल्लेबाजी से उन्होंने क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। उस अद्‌भुत बल्लेबाजी का रहस्य कोई नहीं जान सका। एक समीक्षक एस.ए. गोविंदराव ने उन्हें 'क्रिकेट का सम्राट' कहा। उनकी रन बटोरने की कला से प्रभावित होकर किसी ने उन्हें उदारतापूर्वक सिक्कों की बौछार करने वाले करोड़पति सेठ की उपमा दी। रणजी जीवनभर अविवाहित रहे। जब-जब भी विवाह का प्रसंग आता तब-तब वे मजाक-मजाक में कहते कि क्रिकेट ही मेरी

जीवन संगिनी है। अपने विद्यार्थी जीवन में उन्होंने एक कविता लिखी थी जिससे उनकी खेल, खिलाड़ी और खेल में होने वाली हार–जीत के बारे में आदर्श विचारधारा का परिचय मिलता है। 2 अप्रैल, 1933 के दिन उनकी मृत्यु हुई। भारत में उनकी स्मृति में हर साल 'रणजी ट्राफी' प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

प्रश्न :

(*i*) कुमार रणजीत सिंह को भारतीय क्रिकेट जगत में क्या कहा जाता है? 1

(*ii*) समीक्षक एस.ए. गोविंदराव ने रणजीत सिंह को क्या कहा? 1

(*iii*) रणजीत सिंह अपने विवाह के बारे में क्या कहते थे? 1

(*iv*) रणजीत सिंह की रन बटोरने की कला से प्रभावित होकर उन्हें कौनसी उपमा दी गई? 1

(*v*) अपनी लिखी एक कविता में रणजीत सिंह ने कौन से विचार व्यक्त किए हैं? 1

(*vi*) भारत में रणजीत सिंह की स्मृति किस तरह मनायी जाती है? 1